भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3042
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

श्री गुरु राम दास जी अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन से अपर्याप्त हवाई संपर्क

3042. श्री गुरजीत सिंह औजलाः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि अमृतसर के श्री गुरु राम दास जी अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन से विशेषकर कनाडा के लिए पर्याप्त सीधी अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने न होने के कारण यात्रियों, विशेषकर बड़ी संख्या में पंजाबी प्रवासियों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दिल्ली या विदेशी हब से होकर जाने के कारण होने वाली आर्थिक और परिचालन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने के लिए अमृतसर और कनाडा के बीच सीधा उड़ान संपर्क स्थापित किए जाने के लिए कोई ठोस कदम उठाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने अमृतसर से महत्वपूर्ण रणनीतिक और धार्मिक स्थलों, विशेषकर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, पटना साहिब, नांदेड़ साहिब, चेन्नई और जयपुर के लिए सीधे घरेलू हवाई संपर्क की अपर्याप्तता का संज्ञान लिया है;

(घ) यदि हाँ, तो सीमा पर तैनात रक्षा कर्मियों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और व्यापारियों की सुविधा के लिए अमृतसर से इन स्थानों के लिए सीधी घरेलू उड़ाने शुरू करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार का इस महत्वपूर्ण सीमा, धार्मिक और आर्थिक केंद्र के रणनीतिक महत्व के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू हवाई संपर्क में सुधार करने के लिए क्या समय-सीमा नियत करने का विचार है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ङ) : अंतरराष्ट्रीय उड़ान परिचालन भारत और संबंधित देश के बीच द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते (एएसए) द्वारा शासित होते हैं। एएसए के अनुसार, भारतीय नामित वाहक आपसी सहमति से निर्धारित क्षमता सीमाओं के अनुसार अमृतसर सहित किसी भी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा तक/हवाईअड्डा से कनाडा जैसे विदेशी गंतव्यों के लिए परिचालन करने हेतु स्वतंत्र हैं, जबकि कोई भी नामित विदेशी एयरलाइन भारत में किसी बिंदु तक/बिंदु से परिचालन कर सकती है यदि इसे एएसए में प्वाइंट ऑफ कॉल के रूप में नामित किया गया हो। वर्तमान में, अमृतसर हवाईअड्डे से शारजाह, बर्मिंघम, लंदन, कुआलालंपुर, दुबई, दोहा और सिंगापुर के लिए सीधी अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी उपलब्ध है।

नागर विमानन मंत्रालय ने भारतीय हब हवाईअड्डों के माध्यम से टीयर-II और टीयर-III शहरों से यात्रियों को निर्बाध अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए हब एवं स्पोक परिचालन शुरू किए हैं। इस पहल के चरणबद्ध विस्तार के भाग के रूप में, अमृतसर हवाईअड्डे से हब एवं स्पोक परिचालन दिनांक 28 जुलाई, 2026 को शुरू किए गए थे। इस पहल के तहत, अंतरराष्ट्रीय यात्री अमृतसर जैसे मूल स्पोक हवाईअड्डे पर चेक-इन, आप्रवासन और सीमाशुल्क संबंधी औपचारिकताओं को पूर्ण करते हैं, और तत्पश्चात कनाडा सहित अपने अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए विनिर्दिष्ट हब हवाईअड्डे के माध्यम से निर्बाध यात्रा करते हैं।

भारत में किसी भी बिंदु से घरेलू या अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत करना यात्री माँग, स्लॉट की उपलब्धता, मार्ग की आर्थिक व्यवहार्यता और अन्य संबंधित कारकों के आधार पर अनुसूचित एयरलाइनों का विशुद्ध रूप से वाणिज्यिक निर्णय होता है। सरकार नागर विमानन क्षेत्र के विकास के लिए सक्षमकारी वातावरण उपलब्ध कराती है लेकिन एयरलाइनों की परिचालन योजनाओं में हस्तक्षेप नहीं करती है।

*****